आचार्य श्री की शरण में पंडित प्रवर लालचंद जी 'राकेश' ने प्राप्त की दुर्लभ समाधि

प्रवीण जैन, झांसी । 'मेरा अंतिम मरण तेरे दर हो' इन पंक्तियों का सार प्राप्त कर लिया समाज के प्रखर विद्वान, कवि हृदय विनय भाव से संपन्न पंडित लालचंद जी 'राकेश' गंजबासौदा वालों ने।

जीवन के अंतिम सप्ताह में वे घर परिवार छोड़कर पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शरण में डोंगरगढ़ पहुँच गए थे उनकी संल्लेखना 9 जून को प्रारंभ हुई थी । 10 जून को आचार्य श्री के द्वारा उन्हें 10 प्रतिमा का व्रत प्राप्त हुआ और 11 जून को उन्होंने 24 घंटे में एक बार जल आहार का नियम ले लिया। पंडितजी जब व्हीलचेयर पर आचार्य श्री के समक्ष पहुंचे तो उन्होंने आचार्य श्री को एक टक निहारकर भारी प्रसन्नता का अनुभव किया, मानो संसार सागर में तैरते हुए को किनारा मिल गया हो, उन्होंने आचार्य श्री की विनयपूर्वक वंदना की । आचार्य श्री ने समाधि संल्लेखना के दौरान उन्हें **'शुभ्रसागर'** का नाम प्रदान किया। पंडितजी आचार्य श्री के परम भक्त थे। धार्मिक काव्य, महाकाव्य आदि की रचना में निपुण थे उन्होंने अधिकतर लेखन देव शास्त्र गुरु की वंदना में ही किया।

पं. लालचंद जी राकेश उम्रदराज होकर भी अपनों से छोटे जनों के प्रति बड़े सम्मान का भाव रखते थे उनसे एक बार जो मिल लेता था वह उनकी आत्मीयता के प्रभाव से सदैव के लिए उनका हो जाता था। धार्मिक समारोह, विद्वत गोष्ठियों व सम्मेलनों में कुछ छंद सुनाकर अपनी मुलाकातों को स्मरणीय बना दिया करते थे । आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज सहित अनेक साधुजनों के जीवन वृत्त को उन्होंने काव्य छंद के रूप में प्रस्तुत किया। उनके वियोग के क्षणों में अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. श्रेयांश कुमार जैन बड़ौत ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित राकेशजी श्रेष्ठ विद्वान व श्रेष्ठ कवि थे । वे अपनी संस्था के लिए समर्पित थे, गुरुदेव आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के चरण सानिध्य में संल्लेखना प्राप्त कर उन्होंने अपने जीवन पर कल्याण का कलश चढ़ा लिया है। अखिल भारतीय संपादक

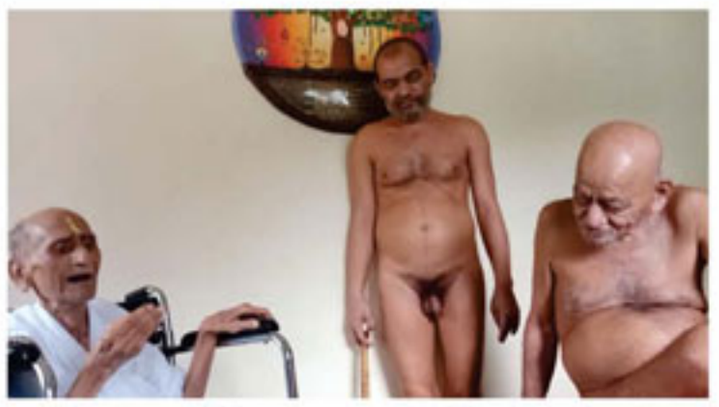

संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र जैन अलीगढ़ ने उनके निधन को मां जिनवाणी के सच्चे उपासक का वियोग बताया। डॉ.लालचंद जैन गंजबासौदा से निकलकर अपनी विद्वत्ता के बल पर संपूर्ण भारतवर्ष में अपनी अलग ही पहचान बनाई थी, उनके निधन से संपूर्ण जैन समाज के साथ गोलालारीय समाज की भी अपूरणीय क्षति है।

अहमदाबाद के गोलालारीय समाज द्वारा प्रथम बार GDJPL किक्रेट टूर्नामेंट का आयोजन

सजन जैन 'बंटी', अहमदाबाद । नगर के गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज द्वारा अहमदाबाद के इतिहास में प्रथम बार GDJPL क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमे सिर्फ गोलालारीय समाज की ही 10 टीमों ने भाग लिया और सच में जो आनंद समाज बंधुओ को आया उससे महसूस हुआ की दो महीने की मेहनत सफल हो गई। इस आयोजन में गोलालारीय समाज के प्रमुख परिवारों ने बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता जताते हुए हर संभव सहयोग प्रदान किया । इस टूर्नामेंट में टाइटल प्रायोजक श्री विनय कुमार कैलाशचंदजी जैन दुमदुमा (नवकार ग्रुप) । टी शर्ट और सिल्वर मेडल प्रायोजक श्री ऋषभ गयाप्रसादजी जैन स्टार्टअप यूनिवर्सटी अहमदाबाद, श्री महेन्द्रकुमार हुकमचंदजी जैन (अरिहंत ग्रुप), श्री प्रवीणकुमार जिनेंद्रकुमार जैन दुमदुमा (जैनम ग्रुप)। ऑडियो वीडियो प्रायोजक श्री सुमतचंदजी जैन चांदलोडिया । क्रिकेट कीट प्रायोजक श्री सुनिलकुमार दीपचंदजी जैन (महावीर मोटर) । मेडिकल कीट प्रायोजक श्री दिलीपकुमार हुकमचंदजी जैन व डॉ. आजाद हुकमचंदजी जैन (रेडीश्योर)। भोजन प्रायोजक श्री राजेशकुमार कुंदनलालजी जैन, श्री हीरालालजी जैन रहे । सभी 10 टीमों के पृथक पृथक प्रायोजक सर्वश्री राजू भजनलाल जैन अंबिकानगर, शीलचंदजी जैन महावीर नगर, सुरेन्द्रकुमार जैन गोमतीपुर, दिनेशकुमार कैलाशचंदजी जैन मेघानीनगर, निलेश हुकमचंदजी जैन अजय टेनामेंट 3, राजेश सुखनंदनजी जैन रामेश्वर पार्क सोसायटी, सतेंद्रकुमार प्रकाशचंदजी जैन वस्त्राल, अल्पेश कुमार धर्मचंदजी जैन शिवानंद नगर, संदीपकुमार संतोषकुमारजी जैन धनलक्ष्मी सोसायटी । समाज बंधुओं के आर्थिक सहयोग ने इस आयोजन को अद्भुत व अद्वितीय बना दिया। अहमदाबाद का यह एक अनोखा आयोजन रहा जिसमें समाज के लगभग 1300 परिवारों का उत्साह व खुशी देखते ही बनती थी । खास बात ये है की यह क्रिकेट टूर्नामेंट को देखने समाज के सभी वर्गों के सदस्य देर रात तक हजारों की संख्या में मैदान में

बैठे रहे। यह समाज के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि रही । आने वाले समय में जल्द ही समाज को एकजुट बनाने के लिए इसी प्रकार के सामूहिक अन्य कार्यक्रमों को आयोजित करने का विचार चल रहा है उद्देश्य सिर्फ इतना है कि गोलालारीय समाज समग्र जैन समाज में अपनी एक नवीन पहचान स्थापित कर सके ।

हम कब तक मौन रहेंगे ? समाज गौरव 108 मुनि श्री आस्तिक सागर महाराज जी के साथ अभद्रता ।

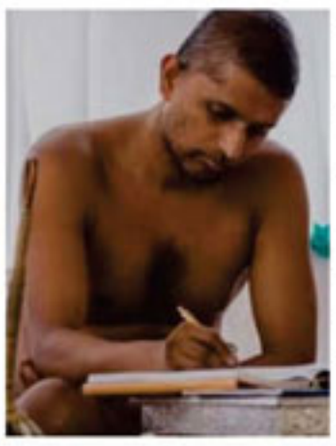

विकास जैन, कटनी । पूज्य 108 मुनि श्री आस्तिक सागरजी महाराज का चातुर्मास जैन बोर्डिंग हाउस, अंहिसा तिराहा के पास कटनी में सानंद चल रहा हैं। 1 अगस्त सुबह जब धर्मसभा में महाराजजी संबोधित कर रहे थे तभी एक मुस्लिम महिला ने मुनिराजजी के प्रति आपत्तिजनक शब्द बोलकर हंगामा खड़ा कर दिया उन्हें मंच से नीचे उतरने के लिए अड़ गई । समाज अध्यक्ष व समाज की महिलाओं ने उसे रोकने का हरसंभव प्रयास करें परंतु उस महिला का बर्ताव शर्मनाक होता गया। समाज की महिलाओं ने जब उसे पकड़कर थाने पहुँचाकर उसके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए पुलिस अधिकारी को बुलाने पर भी जब अधिकारी एक घंटे तक थाने नहीं पहुंचे तब जैन समाज के लोगों का आक्रोश भड़क उठा और थाने को सामने चक्का जाम कर प्रदर्शन शुरु कर दिया गया आज हम सभी को विचार करना चाहिए कि क्या हममें अपने तीर्थों और मुनिराजों की सुरक्षा करने का साहस भी नहीं है क्या हम इतने लाचार हो गए हैं कि धर्म प्रतीकों की सुरक्षा के लिए दूसरों का मुंह ताकना पड़े तो यह वास्तव में हम सब के लिए शर्मशार करने वाला है।

कुंदनलाल मानोरिया पुत्र स्व. श्री सुंदरलालजी मानोरिया

पुत्र-पुत्रवधु : राजेश-स्नेहलता मानोरिया, संजय-मनीषा मानोरिया

पौत्र-पौत्रवधु : सिद्धार्थ-सुरभि मानोरिया, सिद्धांत-अनुप्रिया मानोरिया

संस्कृति, सानिध्य, सिद्धि और देव मानोरिया एवं समस्त मानोरिया परिवार, विदिशा

* सत साहित्य प्रकाशन समिति का संचालन करते हुए जैन तिथि दर्पण व धार्मिक पुस्तकों का प्रकाशन कराया । * केशरबाई आयुर्वेदिक औषधालय के 16 वर्ष तक मंत्री रहे । औषधालय में 1 लाख रु. दान देकर अपने प्रयासों से इस राशि को 16 लाख रु. तक पहुंचाकर एफ.डी. कराई ।

* जन कल्याण जैन सेवा समिति के द्वारा रोग निवारण केम्प आयोजित करवाते रहे ।

मानोरिया परिवार आपके शतायु होने की कामना पद्मप्रभु भगवान के चरणों में करता है ।

हार्दिक बधाईयाँ

* सृष्टि सुजीत कुमार जैन जबलपुर ने UPSC परीक्षा में ऑल इंडिया रैंकिंग में 165 रैंक प्राप्त की है।

* गंजबासौदा निवासी श्री अनिल कुमार डॉ. ममता भंडारी की सुपुत्री कु. आकांक्षा जैन ने UPSC की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंकिंग में 702 वीं रैंक हासिल की है। एक भव्य समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया ।

* मयंक मुकेश रजनी जैन बरोदा स्वामी, ललितपुर ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

* प्रणति प्रदीप सीमा धमसैया अहमदाबाद ने सीए की चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

* श्री मनोज कुमार मोदी बाकल की सुपुत्री कु. दिशा मोदी चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

* अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि परिषद के तत्वावधान में सोनागिर में भारत गौरव गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सानिध्य में विद्वत्प्रवर डॉ. निर्मल कुमार जैन, विदिशा वालों को जैनागम के प्रचार प्रसार द्वारा जैन धर्म की प्रभावना हेतु अध्यात्मयोगी आचार्य विशुद्धसागर पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से बहुत बहुत बधाई ।